

राज्यपाल ने छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये

लखनऊ: 26 जुलाई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ब्राउन हाल में छत्रपति शाहूजी महाराज स्मृति मंत्र द्वारा आयोजित छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती के अवसर पर कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज दीप स्तम्भ की तरह हैं जिनका जीवन दूसरों को सही रास्ता दिखाने वाला था। उन्होंने समाज के विकास का चित्र खींचा तथा सामाजिक परिवर्तन की आवाज बुलंद की। शाहूजी महाराज ने केवल आवाज ही नहीं उठायी बल्कि उसे व्यवहार में परिवर्तित भी किया। वे स्वयं को राजा से ज्यादा सेवक कहने पर प्रसन्न होते थे। उनकी सोच अद्भुत थी तथा उन्होंने छोटी आयु में भी क्रांतिकारी परिवर्तन से समाज को बदलने का प्रयास किया। शाहूजी महाराज को केवल दलित राजा तक सीमित करना उनका अनादर है। उन्होंने कहा कि शाहूजी महाराज वास्तव में महाराष्ट्र के ही नहीं पूरे समाज के राजा थे।

श्री नाईक ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने छत्रपति शिवाजी की परम्परा को निभाते हुए सामाजिक कार्य किया। वे कर्मवीर थे। उन्होंने कोल्हापुर में महिला शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान किये। दूरदर्शी होने के कारण छत्रपति शाहूजी ने शिक्षा, महिला उत्थान तथा कोल्हापुर में उद्योग लगाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये।

राज्यपाल ने बताया कि जिस रियासत के छत्रपति शाहूजी महाराज राजा थे उसी रियासत के छोटे से गांव में उनकी पैदाईश हुई थी। उन्होंने कहा कि शाहूजी महाराज पहले राजा थे जिन्होंने 1902 में सामाजिक समरसता एवं बराबरी देने के लिए आरक्षण की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि समाज में पिछड़ों को आगे लाने में संकल्प की आवश्यकता है।

डा० निर्मल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शाहूजी महाराज ने सामाजिक न्याय का आन्दोलन चलाया तथा अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों को आरक्षण की व्यवस्था दिलायी। सम्मानजनक जीवन जीने के अनेक निर्णय लेते हुए समाज के पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि शाहूजी महाराज वास्तव में समाज सुधारक थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर श्री राम सजीवन पटेल, श्री भारत सिंह, श्री ओ०पी० वर्मा, श्री हरीशचन्द्र पुजारी सहित अन्य लोगों को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।





